कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–008

एम. ए. (वैदिक अध्ययन) (एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-008 : वैदिक गणित एवं सृष्टिविज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश*—निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* $3 \times 20 = 60$

1. भारत में अंकगणित का विकास किस प्रकार हुआ ? वर्णन कीजिए।
2. वैदिक गणित को हम किन स्रोतों से जानते हैं ? विस्तार से लिखिए।

3. आधारभूत सिद्धान्त के रूप में वैदिक गणित का सोदाहरण विस्तृत स्वरूप लिखिए।
4. बौद्ध एवं जैन परम्परा में भारतीय गणित के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।
5. आर्यभट्ट एवं ब्रह्मगुप्त का परिचय लिखिए।
6. गणित के तकनीकी शब्दों का सोदाहरण विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश—*निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. वैदिक बीजगणित में सूत्रों के अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।
2. अंकगणित का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
3. ब्रह्मगुप्त का परिचय लिखिए।
4. आर्यभट्ट का परिचय लिखिए।
5. महावीर आचार्य एवं श्रीपति का परिचय लिखिए।
6. वेदेतर भारतीय गणित का स्वरूप लिखिए।
7. वैदिक गणित के स्रोत को संक्षेप में लिखिए।

× × × × ×